जा रही थी। महेशनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज जांच शुरू कर दी है। नामांकन पत्र दाखिल किया है। मलिक तथा डा. सिंह ने यूजीसी की

'निष्पक्ष ट्रायल के तहत कसाब को मिले सजा'

अंबाला, जागरण संवाद केंद्र : अपने देश की पुलिस की कार्यप्रणाली पैरामिलिट्री पर आधारित है। यह कार्यप्रणाली जनता को दबाने का काम कर रही है। यह दावा पत्रकारों सम्मेलन में स्वयंसेवी संगठन के निदेशक एवं पूर्व बीएसएफ अधिकारी अरिदमन जीत सिंह ने किया। निष्पक्ष ट्रायल के तहत कसाब को सजा मिलनी चाहिए।

छावनी के विश्रामगृह में बुधवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए संस्था के निदेशक ने कहा कि देश में पुलिस प्रणाली को राबर्ट पील ने लागू किया और इसका बेस पैरामिलिट्री रहा। यही कारण है कि आज भी पुलिस की कार्यप्रणाली लोगों को दबाकर रखने की बनी हुई है। यही कारण है कि पुलिस और जनता के बीच की दूरियां बढ़ रही हैं। इसी दूरी के कारण पुलिस की दिक्कतें बढ़ी हैं और जनता भी पुलिस द्वारा संपर्क करने अथवा कार्रवाई के दौरान स्वयं को असहज महसूस कर रही है। उन्होंने कहा पुलिस कार्यप्रणाली निर्धारित करने वाले जो अधिकारी अथवा अन्य हैं, वे वास्तविक स्थिति को समझ नहीं सकते। विदेशी पुलिस की कार्यप्रणाली और भारतीय पुलिस की कार्यप्रणाली में काफी अंतर है। यही कारण है कि जहां पुलिस कर्मचारी भारी दबाव में काम करते हैं और जनता के साथ उनकी दूरी बढ़ती जा रही है। इसी को दूर करने व इस बारे में और अधिक जानकारी हासिल करने के लिए वे हर जिला के एक थाने में जाकर कर्मचारियों अथवा अधिकारियों से बातचीत करते हैं। उनका मकसद पुलिस कार्यप्रणाली में बदलाव कराना है, जिसके लिए वे प्रयासरत हैं। इस दौरान इंग्लैंड से टोबियन शेफर्ड, यूएसए से जेनिफर शेफर्ड, बर्लिन (जर्मन) से टामस डहामस मौजूद रहे। उन्होंने भी अपने विचार रखे। कसाब के मामले में इन विदेशी मेहमानों ने कहा कि निष्पक्ष ट्रायल के दौरान जो भी दोषी होता है, उसे उस देश के कानून के अनुसार सजा दी जानी चाहिए।

छावनी के विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत करते अरिमदन जीत सिंह।

दोषिय
करने

अंबाला शहर
दिनों हुए गांव भ
लोगों का एक प्र
अरोड़ा से मिला
कड़ी कार्रवाई क
का नेतृत्व बसपा
किया। सिंह ने चे
कार्रवाई न की ग
उन्होंने एसपी
कि पीड़ित रामकु
पानी की सप्लाई
हुआ है। उसका
जाता है। इसी ब
उस सरकारी नल
रामकुमार ने उ
पालसिंह नामक